महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी
मेजर प्रश्न पत्र (पाठ्यक्रम)
बी0ए0 प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर)

क्रेडिट–6
पूर्णांक 100 (75+25)

विषय : संस्कृत

प्रश्न पत्र का शीर्षक – संस्कृत पद्य – साहित्य एवं व्याकरण

भाग 1

इकाई प्रथम

(क) वैदिक साहित्य का सामान्य परिचय

(ख) लौकिक कवियों का सामान्य परिचय

वाल्मीकि, व्यास, कालिदास, भारवि, माघ, श्रीहर्ष

(ग) संस्कृत वैय्याकरणों का सामान्य परिचय

पाणिनी, कात्यायन, पतंजलि

इकाई–द्वितीय

किरातार्जुनीयम्– प्रथम सर्ग (श्लोक संख्या 1 से 30 तक)

(व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)

इकाई–तृतीय

कुमारसम्भवम्–प्रथम सर्ग श्लोक संख्या 1 से 25 तक

(व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)

इकाई–चतुर्थ

नीतिशतकम् (श्लोक संख्या 1 से 25 तक)

(अर्थ एवं मूल्यपरक प्रश्न)

भाग–2

इकाई–पंचम

लघुसिद्धान्तकौमुदी– माहेश्वर सूत्र एवं प्रत्याहारों का बोध

इकाई–षष्ठ

संज्ञा प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी)– हलन्त्यम् से अन्तिम सूत्र तक

इकाई–सप्तम

अच् सन्धि (सूत्र व्याख्या एवं सूत्र निर्देशपूर्वक सन्धि एवं सन्धि विग्रह)

इकाई–अष्टम

हल् सन्धि (सूत्र व्याख्या एवं सूत्र निर्देशपूर्वक सन्धि और सन्धि विग्रह)

पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रन्थों पर आधारित अधिन्यास (असाइनमेंट) 25 अंक

सतत मूल्यांकन –

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)	15
(ख) मौखिकी	05
(ग) उपस्थिति	05

सन्दर्भ ग्रन्थ

- किरातार्जुनीयम्– (प्रथम सर्ग), डॉ0 राजेंद्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद।
- किरातार्जुनीयम्– (प्रथम सर्ग), डॉ0 जनार्दन शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास पब्लिकेशन, दिल्ली।
- कुमारसंभवम्– (प्रथम सर्ग), डॉ0 उमेश चन्द्र पाण्डेय, प्राच्य भारतीय प्रकाशन, गोरखपुर।
- कुमारसंभवम्– (प्रथम सर्ग), श्री कृष्णमणि त्रिपाठी, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी।
- नीतिशतकम् भर्तृहरि, (व्या0) सावित्री गुप्ता विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली 2008 ।
- नीतिशतकम् भर्तृहरि, (व्या0) राकेश शास्त्री परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली 2003।
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ0 बलदेव उपाध्याय, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी।
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, वरदराज, (भैमी व्याख्या, भीमसेन शास्त्री 1–6 भाग) भैमी प्रकाशन, दिल्ली 1993।
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ0 उमेश चन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
- लघुसिद्धान्तकौमुदी (संज्ञा, सन्धि प्रकरण) डॉ0 वेदपाल, साहित्य भण्डार, मेरठ।

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी

बी0 ए0 प्रथम वर्ष

विषय–संस्कृत

द्वितीय सेमेस्टर (मेजर)

प्रश्नपत्र– गद्य साहित्य, व्याकरण एवं संगणक अनुप्रयोग

क्रेडिट–6
पूर्णांक 100 (75+25)

भाग–एक

इकाई–प्रथम

गद्य साहित्य का उद्भव एवं विकास, प्रमुख साहित्यकार – बाणभट्ट, दण्डी, सुबंधु अम्बिकादत्त व्यास

इकाई–द्वितीय

शुकनासोपदेश (व्याख्या)

इकाई–तृतीय

शिवराजविजयम् – प्रथम निःश्वास

इकाई–चतुर्थ

आचार्य प्रभुनाथ द्विवेदी कृत कथा कौमुदी से निम्न कथायें–
1. वरान्वेषणम्, 2. शिखा पण्डित, 3. सुकन्या. 4. बकमातुलः, 5. यौतुककौतुकम्

भाग–2

इकाई–पंचम

विसर्ग सन्धि (सूत्र व्याख्या एवं सूत्र निर्देशपूर्वक सन्धि और सन्धि विग्रह)

इकाई–षष्ठ

अनुवाद हेतु कारक एवं विभक्ति का ज्ञान
अनुवाद– हिंदी से संस्कृत एवं संस्कृत से हिन्दी

इकाई सप्तम

कम्प्यूटर का सामान्य परिचय, संस्कृत की दृष्टि से कम्प्यूटर की उपयोगिता, विभिन्न सॉफ्टवेयर, कम्प्यूटर में संस्कृत हिंदी लेखन हेतु उपयोगी टूल्स यूनिकोड, गूगल इनपुट टूल, गूगल असिस्टेन्ट एवं वॉइस टाइपिंग आदि।

इकाई अष्टम

इन्टरनेट का प्रयोग एवं वेब सर्च–ई टेक्स्ट, ई–बुक्स, ई–जनरल, ई–मैगजीन, डिजिटल लाइब्रेरी, ऑनलाइन टीचिंग लर्निंग प्लेटफॉर्म– जूम, टीम, मीट, वेबैक्स, ऑनलाइन लर्निंग एवं रिसर्च प्लेटफॉर्म–स्वयं,मूक, ई–पाठशाला, डेलनेट, इनफ्लाइब्रेट, शोधगंगा, गूगल, स्कॉलर आदि।

पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रन्थों पर आधारित अधिन्यास (असाइनमेंट) 25 अंक

सतत मूल्यांकन –

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)	15
(ख) मौखिकी	05
(ग) उपस्थिति	05

सन्दर्भ ग्रन्थः

- शुकनासोपदेश, डॉ0 अनीता, शारदा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
- शुकनासोपदेश, बाणभट्ट (संपा0) चन्द्रशेखर द्विवेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा प्रथम संस्करण 1986–87।
- शुकनासोपदेश, डॉ0 महेश कुमार श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
- शिवराजविजयम्, अम्बिकादत्त व्यास, (संपा0) शिवकरण शास्त्री, महालक्ष्मी प्रकाशन आगरा।
- शिवराजविजयम् डॉ0 रमाशंकर मिश्र, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
- शिवराजविजयम् व्याख्याकार– डॉ0 दीपक कुमार, सपना अशोक प्रकाशन, वाराणसी।
- आचार्य प्रभुनाथ द्विवेदी कृत कथा कौमुदी, श्रुति प्रकाशन, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी 2012।
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 2011।
- अनुवादचन्द्रिका, चक्रधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली–1999।
- रचनानुवादकौमुदी, डॉ0 कपिल देव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 2011।
- कम्प्यूटर का परिचय, गौरव अग्रवाल, शिवा प्रकाशन, इंदौर।
- कम्प्यूटर फण्डामेन्टल, पी0 के0 सिन्हा, बी0 पी0बी0 पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
- इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी, सुमिता अरोरा, चपत राय पब्लिकेशन, नई दिल्ली।

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी

बी0 ए0 द्वितीय वर्ष

विषय–संस्कृत

तृतीय सेमेस्टर (मेजर)

प्रश्नपत्र–संस्कृत नाटक एवं व्याकरण

क्रेडिट–6
पूर्णांक 100 (75+25)

भाग–एक

इकाई–प्रथम

नाट्य साहित्य परम्परा तथा प्रमुख नाटककार–भास, अश्वघोष, भवभूति, कालिदास, भट्टनारायण, विशाखदत्त।

इकाई–द्वितीय

अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1 से 2 अंक)

इकाई–तृतीय

अभिज्ञानशाकुन्तलम् (3 से 4 अंक)

इकाई–चतुर्थ

स्वप्नवासवदत्तम् (प्रथम अंक)

भाग–दो

इकाई–पंचम

रूपसिद्धि–सामान्य परिचय
अजन्त प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी)
पुलिंग–राम।

इकाई–षष्ठ

अजन्त प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी)
स्त्रीलिंग–रमा।
नपुंसक लिंग–वारि।
सूत्र व्याख्या एवं शब्दरूपसिद्धि।

इकाई–सप्तम

हलन्त प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी)
पुलिंग–राजन्, किम्।
सूत्र व्याख्या एवं शब्दरूपसिद्धि।

इकाई–अष्ठम

हलन्त प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी)
स्त्रीलिंग–किम्
नपुंसक लिंग–इदम्।
सूत्र व्याख्या एवं शब्दरूपसिद्धि।
पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रन्थों पर आधारित अधिन्यास (असाइनमेंट) 25 अंक

सतत मूल्यांकन –

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)	15
(ख) मौखिकी	05
(ग) उपस्थिति	05

सहायक ग्रन्थ :

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम्–डॉ0 कपिल देव द्विवेदी
2. अभिज्ञानशाकुन्तलम्–डॉ0 उमेश चन्द्र पाण्डेय
3. स्वप्नवासवदत्तम्–श्री तरणीश झा
4. स्वप्नवासवदत्तम्–जयकृष्णदास, हरिदास गुप्त
5. संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमा शंकर शर्मा ''ऋषि''
6. संस्कृत साहित्य का इतिहास–वाचस्पति गैरोला
7. लघुसिद्धान्तकौमुदी–वरदराज, भैमीव्याख्या–भीमसेन शास्त्री
8. लघुसिद्धान्तकौमुदी–डॉ0 उमेश चन्द्र पाण्डेय

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी

बी0 ए0 द्वितीय वर्ष

विषय–संस्कृत

चतुर्थ सेमेस्टर (मेजर)

प्रश्नपत्र–काव्यशास्त्र एवं संस्कृत लेखन कौशल

क्रेडिट–6
पूर्णांक 100 (75+25)

भाग–एक

इकाई–प्रथम

संस्कृत काव्यशास्त्र परम्परा तथा प्रमुख आचार्य
आचार्य–भामह, दण्डी, वामन, आनन्दवर्धन, मम्मट,

इकाई–द्वितीय

साहित्यदर्पण (प्रथम परिच्छेद)

इकाई–तृतीय

छंद (वृत्तरत्नाकर से अधोलिखित छंद)
अनुष्टुप, आर्या, वंशस्थ, द्रुतविलंबित, बसन्ततिलका, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, मालिनी, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडित।

इकाई–चतुर्थ

अलंकार(साहित्यदर्पण से अधोलिखित अंलकार)
अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अर्थान्तरन्यास, समासोक्ति

भाग–दो

इकाई–पंचम

विभक्त्यर्थ प्रकरण (लघुसिन्द्धान्तकौमुदी)

इकाई–षष्ठ

संस्कृत निबन्ध

इकाई–सप्तम

संस्कृत भाषा मके पत्र लेखन

इकाई–अष्ठम

समसामयिक विषयों पर संस्कृत में अनुच्छेद लेखन

पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रन्थों पर आधारित अधिन्यास (असाइनमेंट) 25 अंक

सतत मूल्यांकन –

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)	15
(ख) मौखिकी	05
(ग) उपस्थिति	05

सहायक ग्रन्थ :

1. साहित्यदर्पण, शालिग्राम शास्त्री,मोतीलाल बनारसीदास प्रकाशन,वाराणसी ।
2. साहित्यदर्पण, राजकिशोर सिंह प्रकाशक केंद्र ।
3. वृत्तरत्नाकर, श्री केदार भट्ट चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन ।
4. छन्दोऽलंकारसौरभम्,डॉ0 सावित्री गुप्ता,दिल्ली।
5. काव्यदीपिका, कान्ति चन्द्र भट्टाचार्य ,मेरठ।
6. काव्यदीपिका, डॉ0 बाबूराम त्रिपाठी ,आगरा।
7. संस्कृत साहित्य का इतिहास ,उमाशंकर शर्मा "ऋषि" चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन
8. संस्कृत निबंधशतकम्, कपिलदेव द्विवेदी विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी ।
9. रचनानुवादकौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी ।
10. संस्कृत निबन्धसुधा, राधेश्याम गंगवार,नागराज प्रकाशन पिथौरागढ. ।

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी

बी0 ए0 तृतीय वर्ष

विषय–संस्कृत

पंचम सेमेस्टर (मेजर)

प्रथम प्रश्न पत्र–वैदिकवाङ्मय एवं भारतीय दर्शन

भाग–1

क्रेडिट–6
पूर्णांक 100 (75+25)

इकाई–प्रथम

वैदिकवाङ्मय का सामान्य परिचय
(संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद्)

इकाई–द्वितीय

ऋग्वेद संहिता– अग्निसूक्त(1.1), विष्णुसूक्त(1.154), पुरुषसूक्त(10.90), हिरण्यगर्भ सूक्त(10.121)

इकाई–तृतीय

यजुर्वेद संहिता–शिवसंकल्पसूक्त
अथर्ववेद संहिता – पृथ्वीसूक्त(12.1) (1 से 12 मन्त्र), सामंनस्यसूक्त (3.30)

इकाई–चतुर्थ

ईशावास्योपनिषद्
व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न

भाग–2

इकाई–पंचम

भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय– नास्तिक दर्शन एवं आस्तिक दर्शन।

इकाई–षष्ठ

श्रीमद्भगवतगीता–द्वितीय अध्याय (व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)

इकाई–सप्तम

तर्कसंग्रह (प्रारम्भ से प्रत्यक्षपर्यन्त)

इकाई–अष्टम

तर्कसंग्रह (अनुमान से समाप्तिपर्यन्त)

पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रन्थों पर आधारित अधिन्यास (असाइनमेंट) 25 अंक

सतत मूल्यांकन –

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)	15
(ख) मौखिकी	05
(ग) उपस्थिति	05

सहायक ग्रंथ–

- ईशावास्योपनिषद, डॉ0 शिव प्रसाद द्विवेदी चौखम्बा,वाराणसी
- ईशावास्योपनिषद, गीता प्रेस गोरखपुर 1994
- ऋग्वेद संहिता, रामगोविन्द त्रिवेदी चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी
- ऋक्सूक्त संग्रह, हरिदत्त शास्त्री,साहित्य भण्डार मेरठ
- ऋक्सूक्त सौरभ, डॉ0 आर0 के0 लौ0 ज्ञान प्रकाशन मेरठ
- वेदामृतमंजूषिका, डॉ0 प्रयाग नारायण मिश्र,प्रकाशन केन्द्र लखनऊ
- वैदिक साहित्य की रुपरेखा, प्रो0 राममूर्ति शर्मा चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी
- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, आचार्य बलदेव उपाध्याय चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी
- श्रीमद्भगवतगीता हरि कृष्णदास, गोयन्का गीता प्रेस गोरखपुर 2009
- तर्कसंग्रह, अन्नभट्ट चन्द्रशेखर द्विवेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन आगरा
- तर्कसंग्रह, अन्नभट्ट केदारनाथ त्रिपाठी, चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी
- भारतीय दर्शन, जगदीश चन्द्र मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी

बी0 ए0 तृतीय वर्ष

विषय–संस्कृत

पंचम सेमेस्टर (मेजर)

द्वितीय प्रश्न पत्र–व्याकरण एवं भाषा विज्ञान

क्रेडिट–6
पूर्णांक 100 (75+25)

इकाई–प्रथम

धातुरूपसिद्धि–भू के केवल पांच लकार (सूत्र–व्याख्या एवं रूपसिद्धि)

इकाई–द्वितीय

कृदन्त प्रकरण(लघुसिद्धान्तकौमुदी)

कृत्य–तव्यत्, अनीयर, यत, ण्यत्

इकाई–तृतीय

कृत्–तुमुन्, क्त्वा, ल्यप्, क्त, क्तवतु शतृ, शानच्

इकाई–चतुर्थ

तद्धित प्रकरण–अपत्यार्थ (लघुसिद्धान्तकौमुदी)

भाग–2

इकाई–पंचम

समास प्रकरण–अव्ययीयभाव एवं तत्पुरुष समास (लघुसिद्धान्तकौमुदी)

इकाई–षष्ठ

स्त्री प्रत्यय–टाप् एवं ङीप् (लघुसिद्धान्तकौमुदी)

इकाई–सप्तम

भाषा की परिभाषा एवं स्वरूप, भाषा की विशेषताएँ, भाषा के अनेक रूप (बोली, भाषा, विभाषा)

इकाई–अष्ठम

भाषा का उद्भव एवं विकास,भाषा परिवर्तन की दिशाएँ एवं कारण,

पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रन्थों पर आधारित अधिन्यास (असाइनमेंट) 25 अंक

सतत मूल्यांकन –

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट) 15

(ख) मौखिकी 05

(ग) उपस्थिति 05

संदर्भ ग्रन्थः

1.लघुसिद्धान्तकौमुदी, वरदराज, भैमी व्याख्या,भीमसेन शास्त्री(1–6 भाग),भैमी प्रकाशन, दिल्ली 1993

2. लघुसिद्धान्तकौमुदी,डॉ0 उमेश चन्द्र पाण्डेय चौखम्बा प्रकाशन
3. कृदन्तसूत्रावली, बृजेश कुमार शुक्ल, प्रकाशन केन्द्र लखनऊ
4. भाषाविज्ञान एवं भाषा– कपिलदेव द्विवेदी,,विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी, द्वादश संस्करण 2010
5. भाषाविज्ञान –भोलानाथ तिवारी,किताब महल प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी

बी0 ए0 तृतीय वर्ष

विषय–संस्कृत

षष्ठ सेमेस्टर (मेजर)

प्रथम प्रश्न पत्र–आधुनिक संस्कृत–साहित्य

क्रेडिट–6
पूर्णांक 100 (75+25)

इकाई–प्रथम

आधुनिक संस्कृत–साहित्य के प्रमुख कवि एवं उनकी प्रमुख कृतियों का सामान्य परिचय
प्रो0 रेवा प्रसाद द्विवेदी, प्रो0 अभिराज राजेन्द्र मिश्र, प्रो0 राधावल्लभ त्रिपाठी

इकाई– द्वितीय

आधुनिक महाकाव्य –दूतांजनेयम् (प्रथम सर्ग)

इकाई–तृतीय

आधुनिक काव्य
उत्तरसीताचरितम् (महाकाव्य) सप्तम सर्ग

इकाई–चतुर्थ

आधुनिक–नाटक
क्षत्रपतिसाम्राज्यम् (प्रथम अंक)

भाग–2

इकाई–पंचम

संस्कृत उपन्यास
पद्मिनि (प्रथम एवं द्वितीय विराम)

इकाई–षष्ठ

संस्कृत गीतिकाव्य
तदेव गगनं सैव धरा (1 से 25 पद्य)

इकाई– सप्तम

संस्कृत कथा
कथामुक्तावली (क्षणिक विभ्रमः) पण्डित क्षमाराव

इकाई–अष्टम

संस्कृत सुभाषित
दीपमालिका, पं0 वासुदेव द्विवेदी शास्त्री

पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रन्थों पर आधारित अधिन्यास (असाइनमेंट) 25 अंक

सतत मूल्यांकन –

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)	15
(ख) मौखिकी	05
(ग) उपस्थिति	05

सन्दर्भ ग्रंथः

1. कथामुक्तावली (पण्डिता क्षमाराव) P.J. Pandya for N.M.Tripathi Ltd,Princess Street,Bombay-2
2. दूतांजनेय–बलभद्र प्रसाद शास्त्री वागदेवता प्रकाशन अशोकनगर बरेली उ0प्र0
3. क्षत्रपति साम्राज्यम् – श्रीमूलशंकरमाणिकलालयाज्ञिक, व्याख्याकार – डॉ0 नरेश झा, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
4. तदेव गगनं सैव धरा – आचार्य श्रीनिवास ''रथ'' नाग पब्लिशर्स 1995
5. दीपमालिका वासुदेव द्विवेदी शास्त्री,सार्वभौस संस्कृत प्रचार संस्थान, वाराणसी
6. पद्मिनी, मोहन लाल शर्मा पांडे,पांडे प्रकाशन जयपुर
7. संस्कृत वाड.म्य का वृहद इतिहास, सप्तम खण्ड–आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास, श्री बलदेव उपाध्याय, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ प्रथम संस्करण 2000
8. आधुनिक संस्कृत साहित्य संदर्भ सूची,(संपादक)राधावल्लभ त्रिपाठी राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली
9. आधुनिक संस्कृत काव्य की परिक्रमा, मंजू लता शर्मा, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी

बी0 ए0 तृतीय वर्ष

विषय–संस्कृत

षष्ठ सेमेस्टर (मेजर)

द्वितीय प्रश्न पत्र– क (वैकल्पिक)

प्रश्नपत्र का शीर्षक –योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा

क्रेडिट–6
पूर्णांक 100 (75+25)

इकाई–प्रथम

योग की भारतीय अवधारणा उपयोग एवं महत्त्व प्रमुख आचार्य एवं ग्रंथ

इकाई–द्वितीय

योगसूत्र–समाधि पाद (सूत्र 1 से 15 तक)

इकाई–तृतीय

योगसूत्र–समाधि पाद (16 से 29 तक)

इकाई–चतुर्थ

योगसूत्र–विभूति पाद (सूत्र 1 से 15)

भाग–2

इकाई–पंचम

घेरण्ड संहिता–प्रथमोपदेश (श्लोक 1 से 15 तक)

इकाई–षष्ठम

घेरण्ड संहिता–प्रथमोपदेश (श्लोक 16 से 32 तक)

इकाई–सप्तम

घेरण्ड संहिता – द्वितीयोपदेशः(आसनप्रकरणम्)

सिद्धासन, पद्मासन,भद्रासन,वज्रासन, सिंहासन, गोमुखासन

इकाई–अष्टम

घेरण्ड संहिता – द्वितीयोपदेशः(आसनप्रकरणम्)

वीरासन, धनुरासन,मत्स्यासन,गरुड़ासन, मकरासन, भुजंगासन

पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रन्थों पर आधारित अधिन्यास (असाइनमेंट) 25 अंक

सतत मूल्यांकन –

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)	15
(ख) मौखिकी	05
(ग) उपस्थिति	05

सन्दर्भ ग्रंथः

- पातंजलयोगदर्शनम्, पतंजलि कृत योगसूत्र, व्यास भाष्य, वाचस्पति मिश्र कृत तत्त्ववैशारदी एवं विज्ञान भिक्षु कृत योगवार्त्तिक सहित, (संपादक) नारायण मिश्र, भारतीय विद्या प्रकाशन, वारणसी,1981
- योग दर्शन, हरि कृष्णदास गोयन्दका,गीता प्रेस, गोरखपुर
- पातंजलयोगदर्शनम्,सुरेश चन्द श्रीवास्तव, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी
- घेरण्ड संहिता,घेरण्ड मुनि, भाष्यकार स्वामी जी महाराज, पीताम्बर पीठ, दतिया, मध्य प्रदेश
- यज्ञ चिकित्सा, ब्रह्मवर्चस, शांतिकुंज, हरिद्वार
- योग एवं स्वस्थ्य,पी. डी. मिश्र रैपिडेक्स बुक्स, पुस्तक

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी

बी0 ए0 तृतीय वर्ष

विषय–संस्कृत

षष्ठ सेमेस्टर (मेजर)

द्वितीय प्रश्न पत्र–ख (वैकल्पिक)

प्रश्नपत्र का शीर्षक – आयुर्वेद एवं स्वास्थ्य–विज्ञान

क्रेडिट–6
पूर्णांक 100 (75+25)

इकाई–प्रथम

आयुर्वेद का उद्भव एवं विकास एवं सामान्य परिचय,
प्रमुख आचार्य–चरक, सुश्रुत, वाग्भट, माधव, शागर्ड.धर

इकाई–द्वितीय

आयुर्वेद का अर्थ, परिभाषा एवं महत्त्व

इकाई–तृतीय

चरक संहिता – सूत्र स्थान
प्रथम अध्याय (श्लोक 41 से 58)

इकाई–चतुर्थ

चरक संहिता – सूत्र स्थान
प्रथम अध्याय (श्लोक 59 से 77 तक)

भाग–2

इकाई–पंचम

चरक संहिता – सूत्र स्थान
प्रथम अध्याय (श्लोक 78 से 92 तक)

इकाई–षष्ठम

चरक संहिता – सूत्र स्थान
दशम अध्याय

इकाई–सप्तम

अष्टांगहृदयम् – वाग्भट
सूत्रस्थानम्–प्रथम अध्याय 1–19

इकाई–अष्टम

अष्टांगहृदयम् – वाग्भट
सूत्रस्थानम्–प्रथम अध्याय 20–44

पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रन्थों पर आधारित अधिन्यास (असाइनमेंट) 25 अंक

सतत मूल्यांकन –

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)	15
(ख) मौखिकी	05
(ग) उपस्थिति	05

सन्दर्भ ग्रन्थः

- चरक संहिता, (सम्पा0)ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2005
- अष्टांगहृदयम्,वाग्भट, (सम्पा0) ब्रह्मानंद त्रिपाठी , चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान दिल्ली, पुनर्मुद्रित 2014
- आयुर्वेद का बृहद् इतिहास, अत्रिदेव विद्यालंकार, हिंदी समिति, उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ, द्वितीय संस्करण 1976
- संस्कृत वाड्.मय का बृहद इतिहास, बलदेव उपाध्याय , आयुर्वेद का इतिहास (सप्तदश खंड), उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ 2006
- आयुर्वेद का वैज्ञानिक इतिहास, आचार्य प्रियव्रत शर्मा, चौखम्बा वाराणसी
- आयुर्वेद इतिहास एवं परिचय, विद्याधर शुक्ल एवं रविदत्त त्रिपाठी, चौखम्बा, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य में आयुर्वेद, अत्रिदेव विद्यालंकार, भारतीय ज्ञानपीठ, काशी प्रथम संस्करण 1956

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी

बी0 ए0 प्रथम वर्ष

माइनर इलेक्टिव प्रश्नपत्र (पाठ्यक्रम)

व्रतोपवास एवं कथा – विधान

क्रेडिट–4
पूर्णांक (75+25) =100

इकाई–प्रथम

व्रत परिचय – गौरीव्रत, प्रदोष व्रत, चैत्री पूर्णिमा, व्रत अक्षय तृतीया व्रत, संकष्टी चतुर्थी व्रत, निर्जला एकादशी व्रत, एकादशी व्रत, सूर्य षष्ठी व्रत, शरद पूर्णिमा व्रत, कार्तिक अमावस्या, प्रबोधिनी एकादशी व्रत, माघी पूर्णिमा

इकाई–द्वितीय

उत्सवादि परिचय– नवरात्र, रामनवमी, नागपंचमी,श्रावणी, कृष्णजन्माष्टमी, विजयादशमी, दीपावली (लक्ष्मी पूजन)

इकाई–तृतीय

व्रतकथाओं का सामान्य परिचय –श्री सत्यनारायण व्रत कथा, बट सावित्री व्रत कथा, हरितालिका व्रत कथा, गुरुव्रत कथा, श्री शिवरात्रि व्रत कथा, मंगला गौरी व्रत कथा

इकाई–चतुर्थ

वार तथा प्रायश्चित्त व्रतपरिचय–रविवार व्रत, सोमवार व्रत, भौम व्रत, बुध व्रत, गुरु व्रत, शुक्र व्रत, शनिवार व्रत (अनिष्टहर, राहुकेतु, शान्ति व्रत), प्राजापत्य व्रत, चान्द्रायण व्रत

सतत मूल्यांकन –

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)	15
(ख) मौखिकी	05
(ग) उपस्थिति	05

सन्दर्भ ग्रन्थः

- **याज्ञयवल्क स्मृति**
- **मनुस्मृति**
- **हारीत स्मृति**
- **व्रत परिचय– पं0 हनुमान शर्मा**
- **कर्मकाण्ड भास्कर, पं0 श्रीराम शर्मा आचार्य**
- **कर्मठगुरुः**
- **व्रतार्क**
- **व्रतकौस्तुभ**

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी

बी0 ए0 द्वितीय वर्ष

माइनर इलेक्टिव प्रश्नपत्र (पाठ्यक्रम)

सामान्य पूजा एवं शांतिविधान

क्रेडिट–4
पूर्णांक (75+25) =100

इकाई–प्रथम

संध्या उपासना का कार्य एवं महत्व
संध्या उपासना विधि
सामान्य हवन विधि
दश दिगपाल पूजन
गणपति गौरी पूजन
स्वस्तिवाचन
पंचगव्य विधि

इकाई–द्वितीय

पंच महायज्ञ की अवधारणा एवं महत्व
ब्रह्म यज्ञ
पितृ यज्ञ
देव यज्ञ
भूत यज्ञ
नृ यज्ञ
प्रमुख देवी देवताओं के लिए पूजन हेतु वित्त पत्र पुष्प गणपति शिव विष्णु देवी सूर्य के विशेष संदर्भ में
श्री हनुमान मंत्र प्रयोग
महामृत्युंजय मंत्र जप

इकाई–तृतीय

पुराणों के लक्षण
पुराणों की संख्या व अभिधान
श्रीमद्भागवत महापुराणपारायण विधान
हरिवंश पुराण विधान
बाल्मीकि रामायण पारायण विधान
श्री दुर्गा सप्तशती पाठ विधि
श्री दुर्गा पूजा विधान
शिव पूजन विधान

इकाई–चतुर्थ

कलश स्थापन विधि
षोडशोपचार
दशोपचार
पंचोपचार
सूर्य ग्रह शांति
यथाग्रह रत्नपरिचय,धारण आदि
मूलगण्डान्त शान्ति

सतत मूल्यांकन –

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)	15
(ख) मौखिकी	05
(ग) उपस्थिति	05

सन्दर्भ ग्रन्थः

- कर्मठगुरूः ले0 मुकुन्दवल्ल
- नित्य कर्म पूजा प्रकाश श्री राम भवन जी मिश्र, श्री लाल बिहारी जी मिश्र
- पौरोहित्य कर्म प्रशिक्षक, संस्कृत संस्थान उ0प्र0
- श्री दुर्गा सप्तशती–पं0 श्री राम नारायणदत्त जी शास्त्री
- कर्मकाण्ड भास्कर–पं0 श्री राम शर्मा
- रत्नपरिचय, ले0 हरिश्चन्द्र विद्यालंकर,ज्योतिर्विद जगन्नाथ भसीन
- कर्मकौमुदी–प्रो0 बृजेश कुमार शुक्ल

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी

बी0 ए0 तृतीय वर्ष

माइनर इलेक्टिव प्रश्नपत्र (पाठ्यक्रम)

वास्तु एवं ज्योतिर्विज्ञान

क्रेडिट–4
पूर्णांक (75+25) =100

इकाई–प्रथम

- भूमि परीक्षण
- निवास हेतु स्थान निर्वाचन
- भूमि पूजन
- शिलान्यास विधि
- गृह प्रवेश (वास्तु शान्ति)

इकाई–द्वितीय

- मूर्ति प्राणप्रतिष्ठा
- सर्वतोभद्र पूजन
- पंचामृतकरण

इकाई–तृतीय

- अवकहड़ा चक्र
- वर कन्या नक्षत्र मेलापक विचार
- वर्ण विचार, गण विचार
- नाड़ी विचार
- विवाह में सूर्य की स्थिति का विचार
- विवाह में वृहस्पति आदि ग्रहों की स्थिति का विचार
- विवाह में वर्ज्य काल
- भद्रा विचार

इकाई–चतुर्थ

- पंचाड़ग्नवलोकन
- पंचक विचार
- द्विरागमन मुहूर्त
- देवादि प्रतिष्ठा मुहूर्त
- वास्तुकर्म मुहूर्त
- विवाह, गर्भाधानादि संस्कार मुहूर्त
- क्रय–विक्रय मुहूर्त
- अभिजित मुहूर्त
- नवग्रहों की नेष्ट स्थिति का विचार

- शुक्र परिहार

सतत् मूल्यांकन –

(क) पाठ्यक्रमाधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट)	15
(ख) मौखिक	05
(ग) उपस्थिति	05

सहायक ग्रन्थ

1. कर्मठगुरू
2. शीघ्रबोध–काशी नाथ, अनु0पं0 कैलाश नाथ मिश्र
3. मुहूर्त चिन्तामणि–डॉ0 रामचन्द्र पाठक
4. शिलान्यास पद्धति–वायु नन्दन मिश्र
5. पंचांग (काशी विश्व0 ऋषिकेष)
6. वास्तु प्रबोधिनी, विनोद शास्त्री एवं सीताराम शर्मा
7. मुहूर्त चिन्तामणि, श्रीराम पीयूषधारा टीका सहित मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली
8. वास्तु सार, देवी प्रसाद त्रिपाठी, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली